1

खेलो संख्याओं से

साँप-सीढ़ी का खेल

पासा फेंको आगे बढ़ो। 1 से शुरू करके 100 तक पहुँचो। देखो क्या-क्या आया रास्ते में।

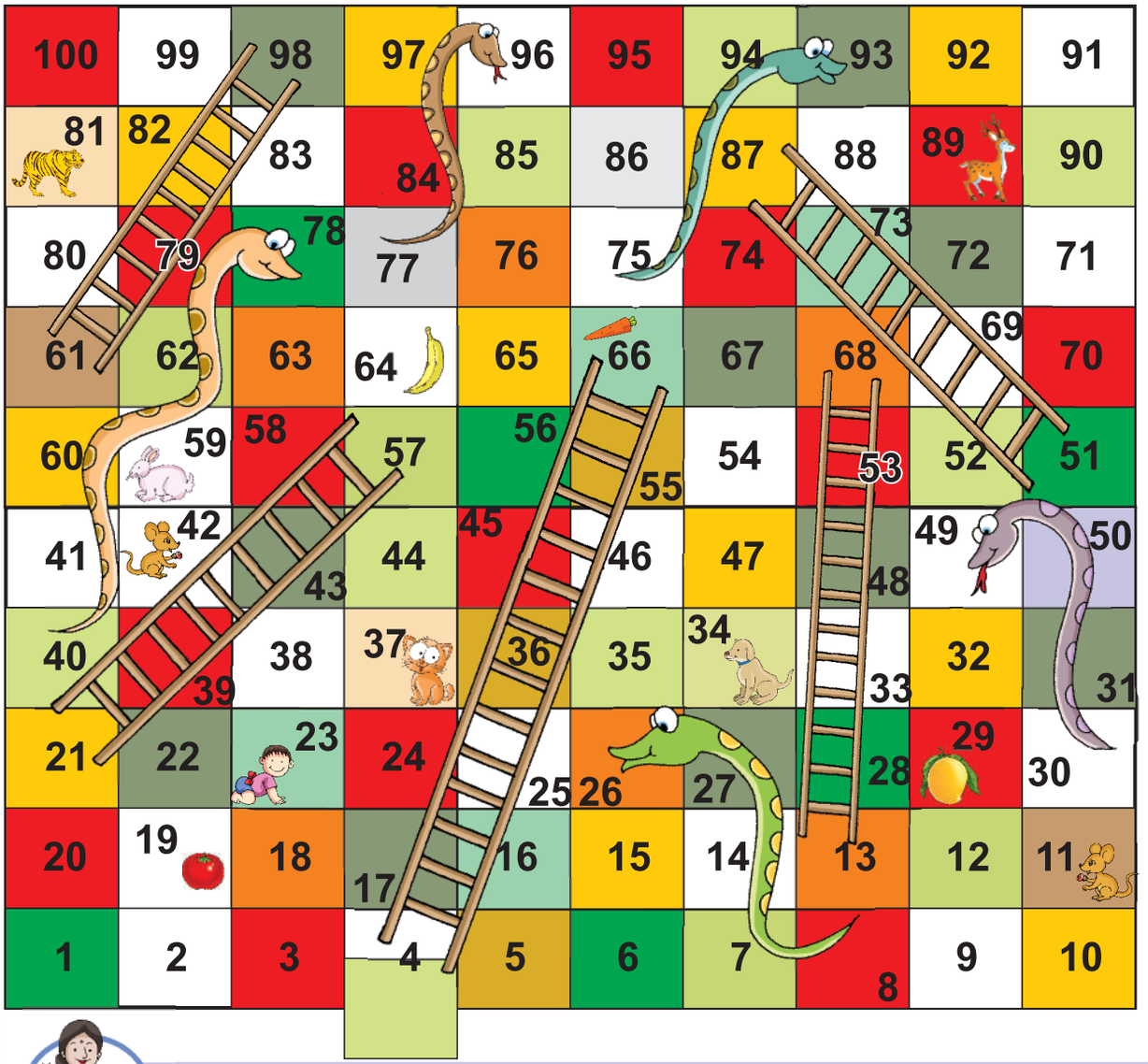

इस खेल का उद्देश्य खेल-खेल में बच्चों को संख्याओं से परिचित करवाना व लिखी हुई संख्याओं को बुलवाना है । बच्चों को दो-दो के जोड़ों में यह खेल खेलने दें। खेलने के बाद चर्चा करें और ऐसे प्रश्न पूछें जिससे बच्चे को संख्याओं को बोलना पड़े जैसे -आप के रास्ते में सबसे पहले क्या आया ? उस खाने में लिखी हुई संख्या बताओ। ऐसी कौन-कौन सी संख्याएं हैं जिन पर आप जाना नहीं चाहते ? चूहे को टमाटर तक पहुंचने के लिए कौन-कौन से संख्या खाने से होकर जाना पड़ेगा ? बच्चों को दो समूहों में बांट कर एक दूसरे से ऐसे प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें जिसमें बच्चा संख्याएं बोले। बातचीत करें, एक बच्चे को बार-बार सीढ़ियाँ मिलती हैं, दूसरे बच्चे को ज्यादा सीढ़ियाँ नहीं मिलती, क्या दूसरा बच्चा 100 तक पहले पहुँच सकता है?

छूट न जाए कुछ

ट्रक में लट्ठे लादते समय कुछ लट्ठों के नम्बर मिट गए हैं उन पर संख्याएं लिखो।

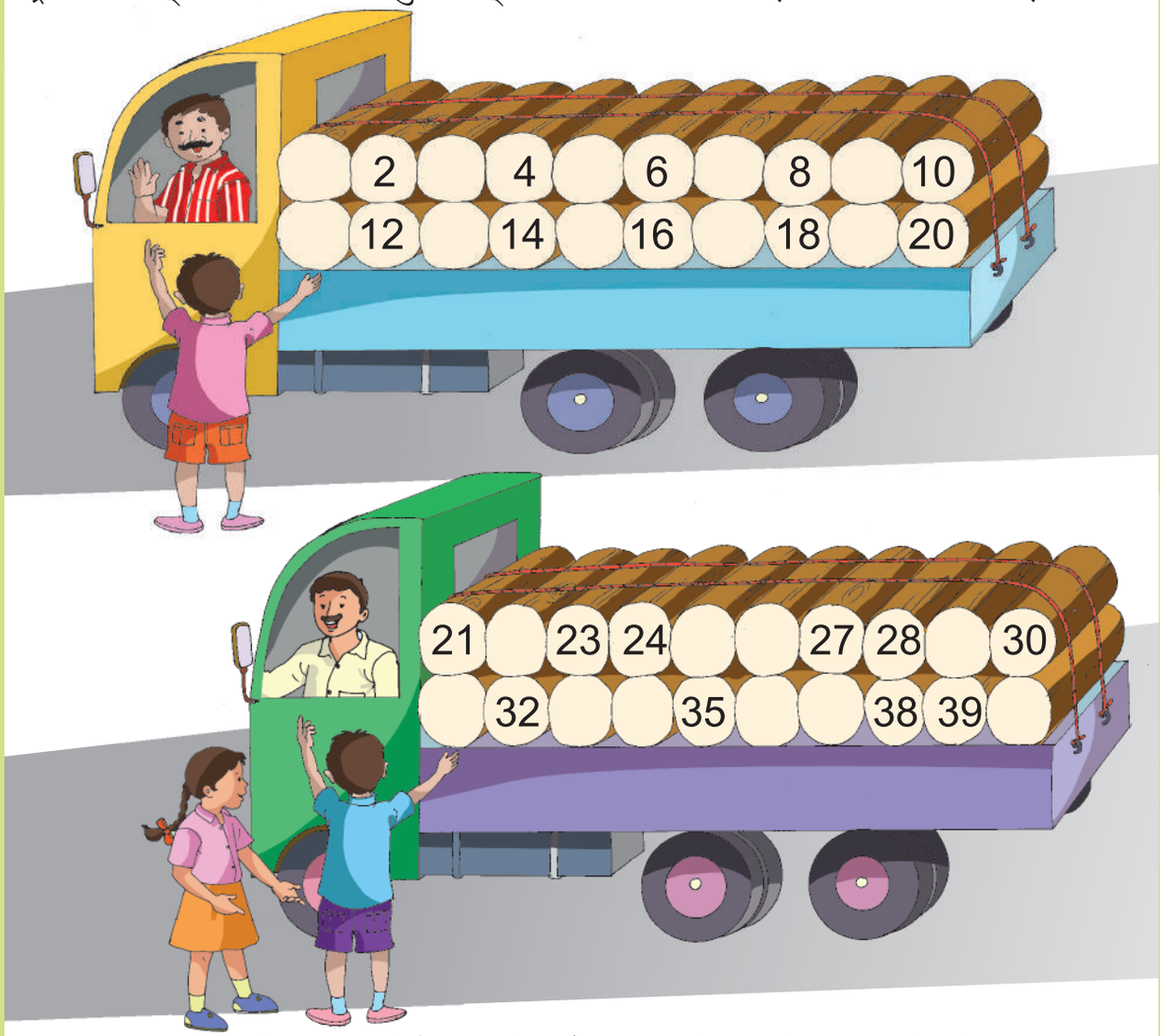

किसनू ने अपनी गेहूँ की बोरियाँ मण्डी में लगाई। कुछ बोरियों के नम्बर मिट गए, नम्बर लिखने में उसकी मदद करो।

चीकू चला मामा के घर

चीकू आज बस में बैठकर अपने मामा के घर जा रहा है। बस में चढ़ने पर उसने देखा कि बस की सीट के कुछ नंबर दिखाई नहीं दे रहे हैं। सीट नंबर लिखें ताकि चीकू अपनी सीट ढूंढकर बैठ सके।

पेड़ों पर मिटी हुई संख्याएं भी लिखो।

1 से 25 तक गिनती बढ़ाते हुए चुन्नु-मुन्नु को तालाब पार करने का रास्ता बताओ।

2

क्या है लम्बा, क्या है गोल ?

क्या है एक जैसा ?

अपनी मेज पर अलग-अलग वस्तुएं जैसे- बोतल, किताब, चॉक, रबड़, पेंसिल आदि रखें। बच्चों को टोलियों में बिठाएं। हर टोली में अलग-अलग वस्तु जैसे एक टोली में गेंद, दूसरी में चॉक का डिब्बा, तीसरी में गाजर, चौथी टोली में पाइप दें, उन्हें उन जैसी दिखने वाली वस्तुओं को अध्यापक की मेज से लाने के लिए कहें। जो वस्तुएं बच्चों ने इकट्ठी की हैं उन्हें ब्लैकबोर्ड पर तालिका में लिखें। कक्षा में चर्चा करें तथा बच्चों को ऐसी और वस्तुओं के नाम बताने के लिए प्रेरित करें। टोलियों में दी गई वस्तुओं को बदल कर भी नाम बताने के लिए कह सकते हैं।

गोला लगाओ

गेंद जैसी चीजों पर नीला

डिब्बे जैसी चीजों पर हरा

गाजर जैसी चीजों पर लाल

पाइप जैसी चीजों पर पीला

बच्चों को चित्र का अवलोकन करने दें। एक जैसी दिखने वाली वस्तुओं के बारे में बातचीत करें व नाम पूछें। वस्तुओं को बच्चे अलग-अलग तरीकों से छांट सकते हैं जैसे- एक रंग की, एक ही आकार की इत्यादि।

तरह-तरह की ठोस चीजें एक थैले में डालो। एक टीम अपने एक साथी की आँख पर पट्टी बांध दे। उसे अपना हाथ थैले में डालकर यह बताना है कि थैले में पकड़ी हुई चीज छूने में कैसी है। दूसरी टीम के बच्चों को उस चीज का अन्दाजा लगाना है।

बच्चों को अधिक से अधिक नाम सोचने व बताने के लिए प्रेरित करें । जब बच्चे इस खेल को खेलें तो चीजों के बारे में बताने के लिए लम्बा गोल, नुकीला, चपटा, जैसे नामों का प्रयोग करने दें।

जल्दी बोल, जल्दी बोल

क्या है लम्बा, क्या है गोल ? जल्दी बोल, जल्दी बोल।

बल्ला है लम्बा, गेंद है गोल। जल्दी बोल, जल्दी बोल।

बोतल है लम्बी, ढक्कन है गोल। जल्दी बोल, जल्दी बोल।

और इस तरह से खेल चलता रहता है। तुम भी इस खेल को अपनी कक्षा में खेलो। बारी-बारी से एक लम्बी और एक गोल चीज का नाम बोलो। खेल में जिस चीज का नाम एक बार बोल दिया जाए उसे दोबारा नहीं बोलना है।

कितना मजबूत है पोस्टकार्ड ?

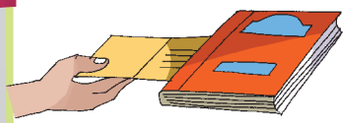

अब यह करके देखो

पोस्टकार्ड को गोल मोड़ कर एक पाइप-सा बना लो। अब इस पर एक किताब रखो। क्या यह उसे उठा लेता है? देखो पोस्टकार्ड ने कितनी किताबें संभाली।

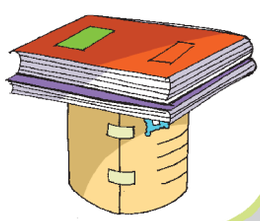

क्या लुढ़का, क्या खिसका ?

चित्र को देखो। पार्क में बच्चे कुछ चीजों को लुढ़का रहे हैं और कुछ चीजें खिसका रहे हैं।

कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें लुढ़काया जा सकता है और कुछ जिन्हें खिसकाया जा सकता है। कुछ चीजें लुढ़काई और खिसकाई भी जा सकती हैं।

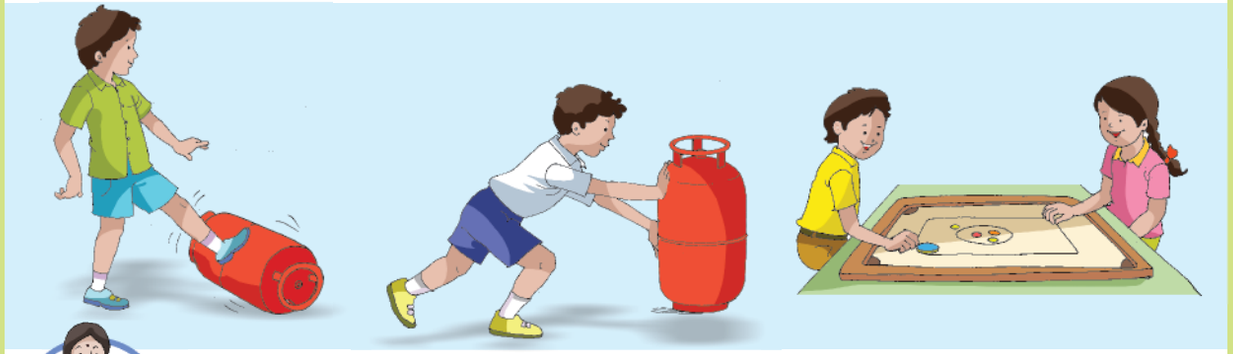

बच्चों को चित्र का अवलोकन करने दें। बातचीत करें कि चित्र में क्या-क्या चीजें लुढ़क रही हैं और क्या-क्या खिसक रही हैं ? बच्चों को ठोस वस्तुओं से अनुभव करके जानने का मौका दें कि किस तरह की सतह वाली चीजे लुढ़कती या खिसकती हैं। इनके गुणों और इनके अन्तर पर बातचीत करवाएं जैसे कि किनारे, कोने, चिकनी, खुरदरी सतहों वाली चीजें लुढ़कती या खिसकती हैं या नहीं। बच्चों के परिवेश में जो चीजें लुढ़कती व खिसकती हैं, उन पर भी चर्चा कीजिए।

अपने चारों ओर की चीजों को देखो।

तालिका भरो

चीजें जो लुढ़काई जा सकती हैं	चीजें जो खिसकाई जा सकती हैं	चीजें जों लुढ़काई और खिसकाई भी जा सकती हैं
गेंद	चॉक का डिब्बा	सिक्का

छुटकी का सवाल

छुटकी को उसके घर तक पहुँचाओ और दूसरे रास्ते से बाहर भी निकालो।

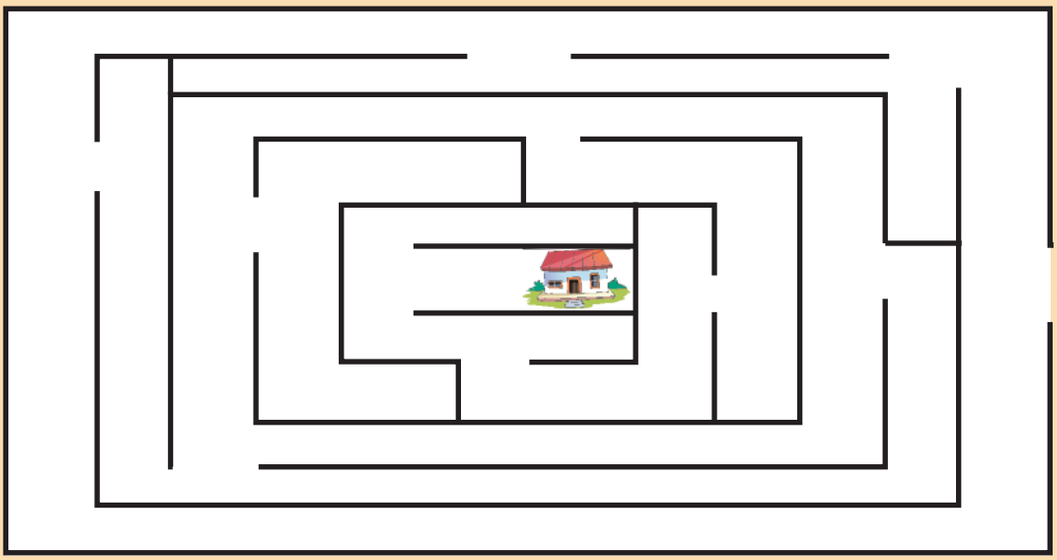

चीजें जमाकर मीनार बनाओ

बच्चों से अलग-अलग तरह की चीजें जैसे- कंकड़, तरह-तरह के डिब्बे खाली माचिस की डिब्बियां, गेंद, रबड़ आदि इकट्ठे करवाएं। अलग-अलग समूहों में इकट्ठी की गई वस्तुओं से मीनार बनाने को कहें।

तुम भी बनाओ।

अलग-अलग चीजों का इस्तेमाल कर के अपनी मीनार बनाओ - जैसे केवल माचिस की डिब्बियों से या फिर केवल टीन के डिब्बों से। क्या सिर्फ गेंद से भी मीनार बन सकती है? देखो।

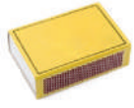

अब एक साथ कई चीजों का इस्तेमाल करके मीनार बनाओ जैसे - जूते के डिब्बे और टीन के डिब्बे एक साथ या फिर गेंद और माचिस की डिबियां एक साथ।

तुम्हारी सबसे ऊँची मीनार किन चीजों से बनी ---------- ----------

किन वस्तुओं को एक के ऊपर एक रखा जा सकता है और किन्हें नहीं- इस पर कक्षा में बातचीत करें। किन वस्तुओं की सतह चपटी होती है और किन की नहीं - इसे जानने के लिए बच्चों को प्रेरित कीजिए। दुकानों में साबुन, चाय के डिब्बे तथा टीन आदि को किस तरह से एक-दूसरे के ऊपर रखा जाता है - इस पर बातचीत करें।

रीमा, रहीमा और राजा पत्तों से कुछ पैटर्न बना रहे हैं।

रीमा ने पैटर्न बनाए कुछ ऐसे

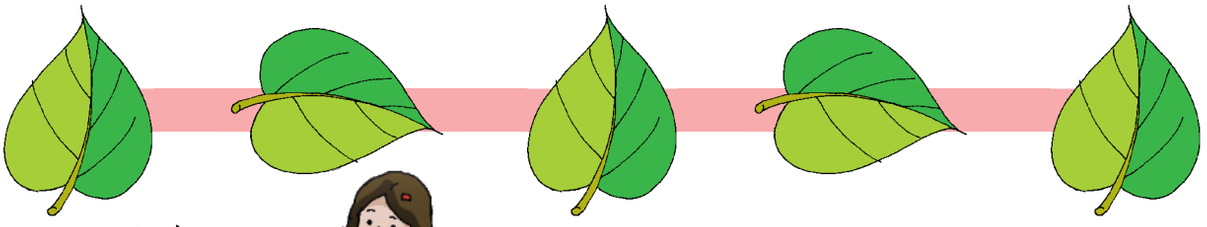

रहीमा के पैटर्न

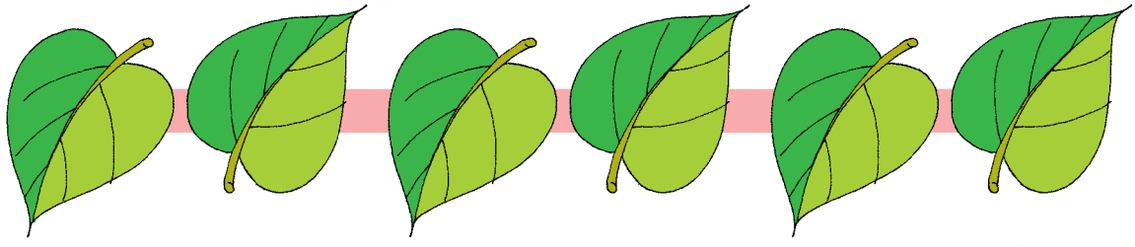

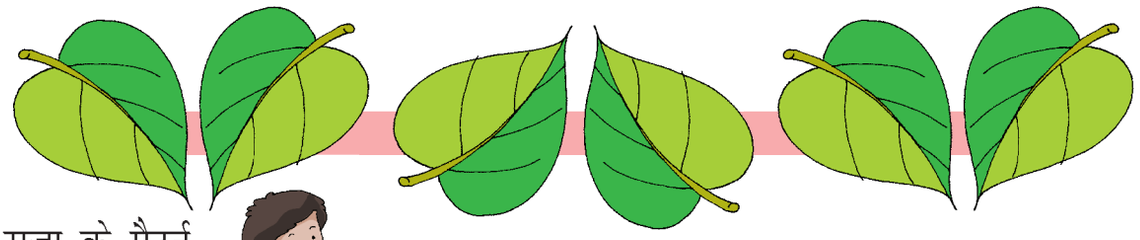

राजा के पैटर्न

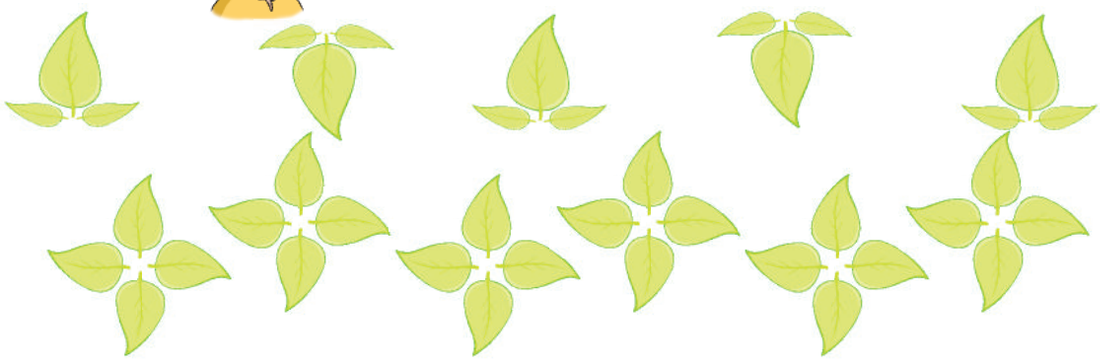

अब तुम भी कुछ पत्ते लो और अलग-अलग पैटर्न में लगाओ। माचिस की तीलियों और कंकड़ों से भी पैटर्न बनाकर देखो।